



न्यूज़झीफ

12 साल की अनन्या का स्टेट लेवल पर चयन, क्रिकेट में बढ़ाया मीरजापुर का मान



मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर में कोन ब्लाक के श्रीपट्टी गांव की 12 वर्षीय क्रिकेट खिलाड़ी अनन्या मिश्रा का स्टेट लेवल के लिए चयन हुआ है। स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट के तहत अंडर-17 और अंडर-19 की चयन प्रक्रिया में शानदार बल्लेबाजी कर अनन्या ने यह उपलब्धि हासिल की। उनकी सफलता से परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। अनन्या मवेया गांव स्थित आरपी क्रिकेट क्लब में अभ्यास करती हैं। नियमित अभ्यास, अनुशासन और खेल के प्रति लगन के दम पर उन्होंने अपनी बल्लेबाजी को निखारा है। चयन प्रक्रिया में उनके प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा। कम उम्र में मिली इस उपलब्धि को ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों के लिए प्रेरणादायक माना जा रहा है। अनन्या के पिता बियल मिश्र और माा रिंकी मिश्रा ने क्रिकेट के प्रति बेटी की रुचि को प्रोत्साहित किया और उसे आगे बढ़ने में सहयोग दिया। परिवार के समर्थन और अनन्या की मेहनत ने उसकी इस उपलब्धि में अहम भूमिका निभाई। अनन्या के स्टेट लेवल के लिए चयनित होने से आरपी क्रिकेट क्लब में भी उत्साह है। उनकी इस सफलता से क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों को खेल में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। अब सभी की निगाहें स्टेट लेवल पर उनके प्रदर्शन पर टिकी हैं।

मेग लैनिंग फिर संमालेंगी मेलबर्न स्टार्स की कमान, एनाबेल सदरलैंड ने कप्तानी छोड़ी

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया की पांच बार की विश्व कप विजेता कप्तान मेग लैनिंग आगामी महिला बिग बैश लीग के 12वें सत्र में मेलबर्न स्टार्स की कप्तानी करती नजर आएंगी। एनाबेल



सदरलैंड ने दो सत्र तक टीम की अगुआई करने के बाद कप्तानी छोड़ने का फैसला किया है। वह अब अपने खेल, विशेषकर बल्लेबाजी और गेंदबाजी पर अधिक ध्यान केंद्रित करना चाहती हैं। लैनिंग ने आखिरी बार 2023 में मेलबर्न स्टार्स की कप्तानी की थी। इसके बाद उन्होंने टीम की कमान सदरलैंड को सौंप दी थी। अब वह फिर से नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालेंगी। मेलबर्न स्टार्स अब तक महिला बिग बैश लीग का खिताब नहीं जीत सकी है और इस सत्र में टीम की नजर पहली ट्राफी पर होगी। 25 वर्ष की हुई सदरलैंड ने पिछले सत्र में मेलबर्न स्टार्स को दूसरी बार लीग के फाइनल में पहुंचाया था। हालांकि, आस्ट्रेलिया के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के लिए इस बार का कार्यक्रम काफी व्यस्त है। आस्ट्रेलियाई टीम अप्रैल के मध्य तक न्यूजीलैंड के खिलाफ दो श्रृंखलाओं की मेजबानी करेगी और श्रीलंका, भारत तथा दक्षिण अफ्रीका का दौरा भी करेगी। ऐसे में सदरलैंड ने अपनी जिम्मेदारियां कम कर मैदान पर प्रदर्शन को प्राथमिकता देने का फैसला किया है। टीम के नए मुख्य कोच रिचर्ड पायरहान ने सदरलैंड के फैसले की सराहना की।

कर्नल सी.के. नायडू ट्राफी के लिए हिमाचल (मेन) अंडर-23 टीम घोषित, दक्ष नारायण को टीम की कमान

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) ने बीसीसीआई कर्नल सी.के. नायडू ट्राफी के लिए मेन अंडर 23 टीम घोषित कर दी है। ट्राफी के घोषित एलीट ग्रुप की टीम की कमान दक्ष नारायण को सौंपी गई है। टीम के अन्य खिलाड़ियों में पारस परिहार, ऋषित ठाकुर, प्रशांत कुमार, साहिल शर्मा चंबा, अतुल जसवाल उपकप्तान, अण्वर जम्वाल, दक्ष नारायण कप्तान, ऋत्विक वर्मा, सुशांत सिंह ठाकुर, अर्जुन घवावा, राहुल सिंह, अभिनव शर्मा, अर्पित सिंह, केवरा, राबिन सैडल शामिल हैं। वहीं नेट बालर के लिए विनय कुमार, चिराग शर्मा व अक्षय वशिष्ठ का चयन हुआ है। इससे अलावा सोमशेखर श्रीगुप्ती बतौर मुख्य कोच, गुरविंदर सिंह बालिंग कोच, राहुल शर्मा फील्डिंग कोच, प्रताप सिंह फिजियो, निशांत चौहान एससी निशांत शर्मा वीडियो विश्लेषक, श्याम नरेश मसाजूर, शिलेमान रोशन को शामिल किया गया है। हिमाचल के लीग मैचों का कार्यक्रम प्रतियोगिता में हिमाचल प्रदेश अपने ग्रुप की टीमों के साथ सात मैच खेलेगा। हिमाचल अपना पहला मैच राजस्थान के साथ खेलेगा। चार दिन का यह मैच 12-15 अक्टूबर को हमीरपुर कर अमतर मैदान में खेला जाएगा। 19 से 22 अक्टूबर तक हिमाचल प्रदेश बनाम मुंबई 27 से 30 अक्टूबर तक हिमाचल प्रदेश बनाम बंगाल अमतर में, 3 से 6 नवंबर तक हिमाचल प्रदेश बनाम गोवा का मैच गोवा में, 18 से 21 नवंबर तक हिमाचल प्रदेश बनाम बड़ोदा का मैच बड़ोदा में, 25 से 28 जनवरी हिमाचल प्रदेश बनाम बिहार अमतर में तथा 2 से 5 फरवरी हिमाचल प्रदेश बनाम ओडिशा का मैच ओडिशा में खेला जाएगा।

पाकिस्तान दौरे के लिए श्रीलंका की टेस्ट टीम घोषित, ईशान मलिंगा को पहली बार मौका, डिकवेला बाहर

कोलंबो

श्रीलंका ने नवंबर में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए तेज गेंदबाज ईशान मलिंगा और विकेटकीपर अंजला बंदारा को टीम में शामिल किया है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज दिलशान मधुशंका की भी टीम में वापसी हुई है। विकेटकीपर निरोशन डिकवेला को टीम से बाहर कर दिया गया है। कुसल मेंडिस पहली बार टेस्ट कप्तान के रूप में टीम की अगुआई करेंगे। उन्होंने धनंजय डी सिल्वा के कप्तानी छोड़ने के बाद यह जिम्मेदारी संभाली है।

सीमित ओवरों के प्रारूप में नियमित रूप से खेलने वाले ईशान मलिंगा को पहली बार टेस्ट टीम में जगह मिली है।22 वर्षीय तेज गेंदबाज ने अब तक 19 प्रथम श्रेणी मैचों में 31.15 की औसत से 44 विकेट लिए हैं। वहीं, अंजला बंदारा को प्रथम श्रेणी क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। उन्होंने 31 मैचों में 65.85 की औसत से रन बनाए

हैं। उनके नाम सात अर्धशतक और सात शतक हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 200 रन है।

डिकवेला बाहर, चदिमल की वापसी

अंजला बंदारा को निरोशन डिकवेला की जगह टीम में शामिल किया गया है। डिकवेला को अगस्त में भारत के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला के लिए वापस बुलाया गया था, लेकिन पाकिस्तान दौरे की टीम में उन्हें जगह नहीं मिली।

भारत के खिलाफ कोलंबो में दूसरा टेस्ट खेलने वाले सलामी बल्लेबाज लाहिरू उदारा और कामिल मिशारा को भी बाहर कर दिया गया है। उस मुकाबले के लिए टीम में शामिल किए गए आलराउंडर सहान अराच्चिगे को भी इस बार मौका नहीं मिला।

दिनेश चांदीमल की टीम में वापसी हुई है। उन्हें गाल में खेले गए पहले टेस्ट के दौरान चोट के कारण मैदान से बाहर

होना पड़ा था। वहीं, पथुम निसांका का चयन फिटेनेस की मंजूरी पर निर्भर करेगा। मेडिकल रूप से फिट घोषित किए जाने पर ही वह पाकिस्तान दौरे पर जाएंगे।

स्पिन और तेज गेंदबाजी विभाग में ये खिलाड़ी

श्रीलंका के स्पिन गेंदबाजी विभाग में प्रभात जयसूर्या और केशारा नुवान्था प्रमुख विकल्प होंगे। आलराउंडर सोनल दिनुपा भी टीम का हिस्सा हैं, जिन्होंने भारत के खिलाफ श्रृंखला में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था।

तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी मिलान रत्नायके, लाहिरू कुमार, असिथा फर्नांडो, ईशान मलिंगा और दिलशान मधुशंका संभालेंगे। वहीं, विश्वा फर्नांडो को टीम से बाहर कर दिया गया है।

रावलपिंडी और लाहौर में होंगे मुकाबले

पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट नौ से

होना पड़ा था। वहीं, पथुम निसांका का चयन फिटेनेस की मंजूरी पर निर्भर करेगा। मेडिकल रूप से फिट घोषित किए जाने पर ही वह पाकिस्तान दौरे पर जाएंगे।

स्पिन और तेज गेंदबाजी विभाग में ये खिलाड़ी

श्रीलंका के स्पिन गेंदबाजी विभाग में प्रभात जयसूर्या और केशारा नुवान्था प्रमुख विकल्प होंगे। आलराउंडर सोनल दिनुपा भी टीम का हिस्सा हैं, जिन्होंने भारत के खिलाफ श्रृंखला में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था।

तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी मिलान रत्नायके, लाहिरू कुमार, असिथा फर्नांडो, ईशान मलिंगा और दिलशान मधुशंका संभालेंगे। वहीं, विश्वा फर्नांडो को टीम से बाहर कर दिया गया है।

रावलपिंडी और लाहौर में होंगे मुकाबले

पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट नौ से

13 नवंबर तक रावलपिंडी में खेला जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट 17 से 21 नवंबर तक लाहौर में होगा। दोनों मुकाबले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा चक्र का हिस्सा हैं।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में श्रीलंका 33.33 प्रतिशत अंकों के साथ सातवें स्थान पर है, जबकि पाकिस्तान 4.63 प्रतिशत अंकों के साथ सबसे निचले स्थान पर है।

पाकिस्तान दौरे के लिए श्रीलंका की टेस्ट टीम:

कुसल मेंडिस (कप्तान), पथुम निसांका*, पसिंदु सोरियाबंडारा, दिनेश चांदीमल, कामिंदु मेंडिस, सोनल दिनुपा, धनंजय डी सिल्वा, अंजला बंदारा, केशारा नुवान्था, प्रभात जयसूर्या, मिलान रत्नायके, लाहिरू कुमार, असिथा फर्नांडो, दिलशान मधुशंका और ईशान मलिंगा।

रणजी ट्राफी : मोहम्मद सिराज की अगुआई में हैदराबाद ने त्रिपुरा को पारी और 40 रन से रौंदा



हैदराबाद – मोहम्मद सिराज की अगुआई में हैदराबाद ने रणजी ट्राफी 2026-27 के अपने अभियान का शानदार आगाज करते हुए त्रिपुरा को पारी और 40 रन से हरा दिया। मैच के तीसरे दिन मंगलवार को त्रिपुरा की टीम अपनी दूसरी पारी में केवल 14 रन जोड़कर शेष तीन विकेट गंवा बैठी।इसके साथ ही हैदराबाद ने बड़ी जीत दर्ज की।

तीसरे दिन का खेल शुरू होने पर त्रिपुरा का स्कोर सात विकेट पर 107 रन था।टीम ने इसके बाद 6.2 ओवर में केवल 14 रन जोड़े और उसके बाकी तीनों बल्लेबाज पवेलियन लौट गए। हैदराबाद ने दूसरे दिन ही मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली थी। तनमय अग्रवाल और पदार्पण कर रहे रुथिक यादव के अर्धशतकों ने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया था।

दूसरी पारी में सिराज और रुथिक ने बरपाया कहर त्रिपुरा की दूसरी पारी शुरुआत से ही दबाव में रही। हैदराबाद के

गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर बल्लेबाजों को टिकने का मौका नहीं दिया। सिराज और रुथिक यादव ने भी विकेट हासिल किए। हालांकि, अंतिम सत्र में सेंटू सरकार और परवेज सुल्तान ने कुछ देर तक संघर्ष करते हुए हैदराबाद की पारी से जीत हासिल करने की कोशिश को टाल दिया, लेकिन टीम को हार से नहीं बचा सके।

तनय त्यागराजन ने मैच में झटके जो विकेट

हैदराबाद की जीत में बाएं हाथ के स्पिनर तनय त्यागराजन की अहम भूमिका रही। उन्होंने दूसरी पारी में छह विकेट झटके और पूरे मैच में नौ विकेट लेकर अपना प्रभाव छोड़ा। सिराज पहली पारी में कोई विकेट नहीं ले सके थे, लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने दो बल्लेबाजों को आउट किया।मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए हैदराबाद ने 294 रन बनाए, जबाब में त्रिपुरा की पहली पारी 134 और दूसरी पारी केवल 120 रनों पर सिमट गई।

कोल पामर एक शानदार खिलाड़ी हैं, वह सब कुछ कर सकते हैं : जोआओ पेड्रो

लंदन चेलसी के फारवर्ड जोआओ पेड्रो ने अपने साथी खिलाड़ी कोल पामर की जमकर तारीफ करते हुए उन्हें संपूर्ण खिलाड़ी बताया है। पेड्रो ने कहा कि पामर गोल करने, पास देने और फ्री-किक से गोल दागने सहित मैदान पर हर काम करने में सक्षम हैं। उन्होंने चेलसी के मुख्य कोच जांबी अलॉंसो की जीतने की मानसिकता और टीम के आक्रामक खेल की भी सराहना की।

जियोस्टार को दिए एक साक्षात्कार में पेड्रो ने कहा, कोल पामर एक शानदार खिलाड़ी हैं। वह गोल कर सकते हैं, पास दे सकते हैं और फ्री-किक से भी गोल कर सकते हैं। वह सब कुछ कर सकते हैं। वह एक संपूर्ण खिलाड़ी हैं और यही बात उन्हें विशेष बनाती है। फुलहम और ब्राइटन एंड होव एल्बियन के खिलाफ हमारे मुकाबलों में उन्होंने शानदार गोल किए। मुझे नहीं पता कि उन्होंने ऐसा कैसे किया, लेकिन यह कोल पामर की खासियत है। इसी वजह से हर कोई उन्हें विशेष खिलाड़ी कहता है।

प्रीमियर लीग में 17 अक्टूबर को एवर्टन और चेलसी के बीच मुकाबला होना है। अंक तालिका में पांचवें स्थान पर काबिज एवर्टन और छठे स्थान पर मौजूद चेलसी की नजर अपनी स्थिति मजबूत करने पर होगी। चेलसी के लिए पेड्रो अहम भूमिका निभा रहे हैं और वह पांच गोल के साथ टीम के शीर्ष स्कोररों में शामिल हैं।

अलॉंसो की जीतने की मानसिकता से खुश पेड्रो

पेड्रो ने चेलसी के मुख्य कोच जांबी अलॉंसो के काम करने के तरीके की तारीफ करते हुए कहा कि वह खिलाड़ियों के साथ खुलकर बातचीत करते हैं और उनकी मानसिकता को समझते हैं। उन्होंने कहा, हमारे कोच जांबी



अलॉंसो हमारे साथ बहुत खुलकर बातचीत करते हैं, क्योंकि वह खुद फुटबाल खेल चुके हैं और हमारी मानसिकता को समझते हैं। उनके साथ हमारी पहली बैठक में ही महसूस हुआ कि वह खेल को लेकर बेहद जुनूनी हैं। वह हर संभव मैच जीतना चाहते हैं। यह हमारे लिए बहुत अच्छा है, क्योंकि हम भी उसी सोच के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

पामर और मार्गन रोजर्स के साथ तालमेल अहम

चेलसी का आक्रामक तिकड़ी में अपनी भूमिका के बारे में पेड्रो ने कहा कि वह पामर और मार्गन रोजर्स की खूबियों के अनुसार खेलते हैं। उन्होंने बताया कि पामर को गेंद उनके पैरों पर देना और रोजर्स को खाली जगह में पास देना उनकी रणनीति का हिस्सा है। पेड्रो ने कहा, आगे की पंक्ति में मेरी भूमिका काफी सरल है। जब भी मैं पामर को देखता हूं, कोशिश करता हूं कि गेंद उनके पैरों तक पहुंचे। वह हमेशा गेंद को गोलकीपर के पार पहुंचाने का रास्ता निकाल लेते हैं। मार्गन रोजर्स के लिए मैं गेंद खाली जगह में डालने की कोशिश करता हूं, ताकि उन्हें एक के मुकाबले एक की स्थिति मिले। डिफेंडर को छकाने के बाद वह मुझे पास देते हैं और मेरा काम दौड़ लगाकर सही जगह पहुंचना होता है। अगर मैं ऐसा करता हूं, तो वे मुझे गेंद दे देंगे और फिर गेंद को गोल में पहुंचाना मेरी जिम्मेदारी होती है। उन्होंने कहा कि चेलसी की गोल करने की क्षमता किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं है।पामर, रोजर्स और वह खुद गोल में योगदान देते हैं, जबकि मिडफील्डर और डिफेंडर भी सेट-पीस के जरिए गोल करते हैं। पेड्रो ने कहा, टीम का हर खिलाड़ी गोल करना चाहता है। जांबी हमेशा कहते हैं कि चाहे कुछ भी हो, आपको ध्यान केंद्रित रखना है और खेल से जुड़े रहना है, तब आप गोल करेंगे।

भारत के योगासन ने चीन और दक्षिण अफ्रीका को किया प्रभावित ब्रिक्स पारंपरिक खेलों में दिखी भारतीय संस्कृति की झलक

नई दिल्ली भारत के योगासन ने ब्रिक्स पारंपरिक एवं स्वदेशी प्रदर्शन खेल 2026 में चीन और दक्षिण अफ्रीका सहित भाग लेने वाले देशों के प्रतिनिधियों को खासा प्रभावित किया। अहमदाबाद के वीर सावरकर खेल परिसर में आयोजित इस एकदिवसीय आयोजन में 10 देशों के करीब 160 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। यहां विभिन्न देशों के पारंपरिक खेलों, सांस्कृतिक विरासत और खेल कौशल का अनूठा संगम देखने को मिला। आयोजन में चीन के वुशू का जोशीला प्रदर्शन, भारत के मल्लखंभ की हैरतअंगेज कलाबाजियां, काजाखस्तान के तोगुजकुमालक का शांत और एकाग्रता से भरा खेल तथा ब्राजील के जिउ-जित्सु का ध्यानपूर्ण प्रदर्शन आकर्षण का केंद्र रहे। हालांकि, इन विभिन्न खेलों के बीच योगासन ऐसा माध्यम बनकर उभरा, जिसने सभी देशों के प्रतिनिधियों का ध्यान खींचा। भारत ने मल्लखंभ और कलारीपयट्टु के साथ योगासन का भी प्रदर्शन किया। वर्ष 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करने वाला अहमदाबाद इस वर्ष जून में पहली विश्व योगासन चैंपियनशिप का भी आयोजन कर चुका है। इस वैश्विक प्रतियोगिता में 79 देशों के 522 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था, जिसमें अफ्रीका देशों की भी उल्लेखनीय भागीदारी रही।

दक्षिण अफ्रीका और चीन ने की योगासन की सराहना – दक्षिण अफ्रीका के दल प्रमुख फिलासॉंद मकविली ने साईं मीडिया से बातचीत में कहा, दक्षिण अफ्रीका में योग उन गतिविधियों में शामिल है, जिनका इस्तेमाल लोग शरीर और मन को तरोताजा करने, तनाव कम करने तथा शरीर की गतिविधियों और लचीलेपन को बेहतर बनाने के लिए करते



हैं। हम इसे अपनाते हैं और पसंद करते हैं। इसके लिए शरीर से काफी मेहनत करनी पड़ती है।फिर भी, दक्षिण अफ्रीका में जो लोग योग का आनंद लेते हैं, वे इसका रोजाना अभ्यास करते हैं। चीन के दल प्रमुख यी लियू ने भी योगासन के प्रति उत्साह जताया। उन्होंने कहा, आज हमने

मल्लखंभ और कलारीपयट्टु के साथ योगासन का भी प्रदर्शन किया। वर्ष 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करने वाला अहमदाबाद इस वर्ष जून में पहली विश्व योगासन चैंपियनशिप का भी आयोजन कर चुका है। इस वैश्विक प्रतियोगिता में 79 देशों के 522 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था, जिसमें अफ्रीका देशों की भी उल्लेखनीय भागीदारी रही।

मल्लखंभ के प्रदर्शन पर झूमे दर्शक – वीर सावरकर खेल परिसर में मौजूद करीब तीन हजार दर्शक उस समय उत्साह से झूम उठे, जब भारत के युवा खिलाड़ियों ने मल्लखंभ का ऊर्जावान प्रदर्शन किया। इससे पहले भारतीय दल ने लयबद्ध योगासन का आकर्षक प्रदर्शन किया था। जून में आयोजित विश्व योगासन चैंपियनशिप में भारत ने कुल 114 पदक जीते थे, जिनमें 102 स्वर्ण पदक शामिल थे। इस प्रदर्शन ने प्रतियोगिता में भारत के दबदबे को दर्शाया। चैंपियनशिप में कुल 31 देशों ने कम से कम एक पदक जीता, जबकि 10

आईसीसी के सितंबर महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने शुभमन और शेफाली



दुर्बई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सितंबर महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की घोषणा कर दी है। इसमें दो भारतीय खिलाड़ियों को आसाधारण प्रदर्शन के लिए ये अवार्ड मिला है। भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय टीम के कप्तान शुभमन गिल को सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर का अवार्ड दिया गया है। वहीं महिलाओं के वर्ग में शेफाली वर्मा को ये अवार्ड मिला है। यह अवार्ड उनके पिछले महीने के शानदार खेल और कड़ी मेहनत का परिणाम है। शुभमन के अलावा भारत के ही अभिषेक शर्मा और जिन्माबे के सिकंदर रजा भी इस अवार्ड की दौड़ में शामिल थे। शुभमन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में पहले दो एकदिवसीय मैचों में 334 रन बनाए। उन्होंने पहले मैच में शतक और दूसरे मैच में नाबाद दोहरा शतक लगाया था। शुभमन ने 117 गेंदों में दोहरा शतक पुरा किया यह एकदिवसीय इतिहास का सबसे तेज दोहरा शतक था। भारतीय टीम ने ये सीरीज 2-1 से जीती थी। शुभमन ने पांचवीं बार आईसीसी प्लेयर आफ द मंथ अवार्ड जीता है। कोई और प्लेयर अभी तक इतने अवार्ड नहीं जीता पाया। वह सितंबर 2026 से पहले जुलाई 2025, फरवरी 2025, सितंबर 2023 और जनवरी 2023 में भी प्लेयर आफ द मंथ बने थे।

स्विथातेक पर 2020 के बाद पहली बार डब्ल्यूटीए फाइनल्स से बाहर होने का खतरा

दुहान **पोलैंड की स्टार टेनिस खिलाड़ी इगा स्विथातेक के ऊपर इस साल डब्ल्यूटीए फाइनल्स में जगह बनाने से चूकने का खतरा मंडरा रहा है।** वह 2020 के बाद पहली बार सत्र के इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट से बाहर रह सकती है। हालाकि, पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी ने साल का अंत शानदार प्रदर्शन के साथ करने और टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने की अपनी उम्मीदों को मजबूत करने का संकल्प जताया है।

छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्विथातेक ने इस साल अगस्त में कनाडियन ओपन के रूप में

केवल एक खिताब जीता है। वह इस वर्ष चारों ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिताओं में क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ सकीं। 25 वर्षीय स्विथातेक ने 2023 में डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब जीता था और 2021 से इसके हर संस्करण में हिस्सा लिया है।

आठ से 15 नवंबर तक होने वाले डब्ल्यूटीए फाइनल्स की क्वालीफाईंग तालिका में स्विथातेक फिलहाल 10वें स्थान पर हैं। आठ खिलाड़ियों के लिए होने वाले इस टूर्नामेंट में चार स्थान अभी खाली हैं। स्विथातेक के 3,799 अंक हैं और वह नौवें स्थान पर मौजूद यूक्रेन की मार्ता कोस्त्र्युक से 111 अंक पीछे हैं। वहीं, 4,615 अंकों के साथ कैरोलिना मुचोवा उन खिलाड़ियों में सबसे निचले स्थान पर हैं, जिन्होंने अभी तक क्वालीफाई नहीं किया है।

चुनौती को सकारात्मक रूप में देख रही स्विथातेक

वुहान ओपन से पहले पत्रकारों से बातचीत में



स्विथातेक ने स्वीकार किया कि वह क्वालीफिकेशन की स्थिति से परिचित हैं और डब्ल्यूटीए फाइनल्स में जगह बनाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, मुझे इस स्थिति की जानकारी है और निश्चित रूप से डब्ल्यूटीए

फाइनल्स में जगह बनाना शानदार होगा। हमारा लक्ष्य यही है। यह पहली बार है जब मुझे फाइनल्स में जगह बनाने के लिए ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ रहा है।

स्विथातेक ने कहा, यह एक चुनौती है, लेकिन मुझे लगता है कि यह सकारात्मक चुनौती है और मैं इसके लिए काफी प्रेरित हूं। अभी कुछ टूर्नामेंट बाकी हैं।

नए कोच के साथ खेल में सुधार की उम्मीद

स्विथातेक ने अपने खेल में किए गए बदलावों पर भी बात की। उन्होंने अप्रैल में गिम फिसेट से अलग होने के बाद फ्रांसिस्को रोड्रिग को अपना कोच नियुक्त किया था। स्विथातेक के अनुसार, नए कोच के साथ अभ्यास के दौरान उनके खेल में सकारात्मक सुधार देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा, मुझे अपने खेल में कुछ बदलाव करने की जरूरत थी और फ्रांसिस्को के

पास मेरे खेल को लेकर बहुत अच्छी योजना है। मुझे लगता है कि हम अभ्यास के दौरान अपने खेल को काफी विकसित कर रहे हैं और अच्छी प्रगति हुई है।

उन्होंने कहा कि अमेरिकी ओपन के आयोजक दौरा इस सत्र का उनका सबसे सकारात्मक समय रहा। इससे उन्हें भरोसा मिला है कि वह सही दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

वुहान ओपन से अभियान को गति देने की कोशिश

स्विथातेक वुहान ओपन के अपने पहले मुकाबले में हमवतन मैग्दालेना फ्रेंच का सामना करेंगी। इसके बाद उनके निंगबो और टोक्यो में होने वाले डब्ल्यूटीए 500 स्तर के टूर्नामेंटों में भी खेलने का कार्यक्रम है। इन प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन उनके लिए डब्ल्यूटीए फाइनल्स में जगह बनाने की उम्मीदों को जिंदा रखने के लिहाज से अहम होगा।